सिद्धांत
2

प्रशिक्षण के सिद्धांत

विश्वभर में प्रशिक्षण के पाँच सिद्धांतों की पुस्तक

सिद्धांतः- नेतृत्व

सिद्धांतः- नेतृत्व

विश्व भर में प्रशिक्षण के पाँच सिद्धांतों की पुस्तक
सिद्धांत : नेतृत्व

प्रशिक्षण देने वाले के लिए निर्देशः-

उद्देश्यः- हम सब यहाँ इसलिए हैं कि किसी न किसी (स्त्री/पुरूष) ने अपने जीवन को हम में उड़ेला है। हमें बुलाया गया है कि हम अपने जीवन को दूसरे में उंड़ेल दें। यह सत्र इस प्रकार से बनाया गया है कि यह आपको बाइबल संबंधी अगुवाई के प्रारूप को समझने में सहायता करेगा कि कैसे औरों की अगुवाई करें।

नीचे कुछ शब्दों की परिभाषाएं दी गई है जिनका हम पूरे सत्र में शिक्षण के दौरान में प्रयोग करते रहेंगे। कृपया अपने संदर्भ के लिए एक शब्द चुन लें जो आपके सीखने वालों के लिए सबसे अच्छा है। उदाहरण के लिए – शायद मैन्टर/सलाहकार **"शब्द"** सीखने वालों के लिए कुछ ज्यादा अच्छे से काम करेगा संदेश को समझाने के समय और कोच (शिक्षा देने वाला) शब्द दूसरे संदर्भ पर अच्छे तरीके से कार्य करेगा। आप स्वयं अच्छे न्यायी हैं स्वयं निर्णय करें कि कौन-सा शब्द ज्यादा अच्छा रहेगा।

कोच/सलाहकारः- एक बुद्धिमान व विश्वास योग्य सलाहकार या अगुवा, या कोई जो आपके समान, समान किरदार हो, परन्तु जिसके पास ज्यादा अनुभव व ज्ञान हो, एक वरिष्ठ सहायता करने वाला या शिक्षक।

उत्साह देने वाला/साथी, संगी, साझीदारः- जो आपकी यात्रा में आपके साथ आपको प्रेरित करें व उत्साह बढ़ाए। कोई ऐसा जो आप पर विश्वास करता हो और आपके दिल को जानता हो, कोई ऐसा जिसके साथ आप खुलकर और ईमानदारी से बातचीत कर बांट सके, जो आपकी आत्मा को ईश्वरीय (सद्गुणों) प्रारूप में धार दे/तेज करें।

सीखने वालाः- एक छात्र, एक शिष्य, एक सीखने वाला जो सिखाने वाले को कदम दर कदम अनुसरण करें, वो जो अपने सिखाने वाले की शिक्षा को आगे बढ़ाना जारी रखे।

एक नजर (विषय सूची की तालिका)

1. **परिचय**
    A. **परिचयः-** बाइबल संबंधी अगुवाई का आदर्श
    B. बाँटना कि क्यूं अगुवाई व अगुवाई के संदर्भ में शिक्षा आपके लिए महत्वपूर्ण रही है।
2. **पारस्परिक प्रतिक्रियाः-**
3. **बाइबल की शिक्षा और छोटे समूह**

A. तीन स्थानों पर प्रयोगात्मक तत्वों के साथ "पौलूस, बरनबास और तीमुथियुस"

B. छोटा समूह/दल

4. शैक्षणिक यंत्र और साधन

A. पूछने के प्रश्न जब आप सीख रहे हो

B. प्रभावकारी प्रशिक्षण रचनाएं

C. वेबसाइट, पुस्तकें, साधन (छपी हुई सामग्री)

5. रोशनी डालने का समय

A. प्रशिक्षण पर पूर्व मनन

B. दो या तीन बातें बताए जिनको स्मरण रखना है।

C. प्रश्न

कुंजी (आपको दिए गए समयानुसार अनुसरण करें)
FD : Full Day (यदि आपके पास 75-84 मिनट है)
HD : Half Day (यदि आपके पास 50-59 मिनट है)

भाग 1

परिचय

लघु सत्रः- भाग दो और तीन को पढ़ें इस बात के अश्वस्त होने के लिए कि आपके पास आपके विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त सामग्री है।

FULL DAY अपनी कक्षा की शुरूआत आपके विद्यार्थियों को निम्नलिखित जानने के द्वारा करें : पूरी बाइबल में हम ऐसे ईश्वरीय (सद्गुणों) स्वभाव से भरे पुरूष व स्त्रियों को पाते हैं जो आने वाली ऐसी अगुवों की पीढ़ी को खड़ा करना चाहते हैं जिनका केन्द्र बिन्दु परमेश्वर/मसीह हो। बड़े खेदित होकर, हमारे पास ऐसे उदाहरण भी है जब बाइबल के अगुवे असफल हो गए, अगुवेपन की छड़ी को आने वाले अगुवों के समूह को सौंपने में। अधिक प्रभावकारी व संपूर्ण अगुवा होने के लिए है यह जरूरी है कि हमारे पास 360° का अगुवाई संबंधी दृष्टिकोण हो, उनके साथ जो हमारे नीचे/आधीन है, व ऊपर है, या आपके साथ है अगुवाई में हमें सिखाना चाहिए/सलाह, परामर्श देना चाहिए जवान अगुवों को कि वो आगे आने वाली पीढ़ी को सिखाने, अगुवाई करने और उनके आगे आने वाली अगुवों को पीढ़ी को सिखाने/व सलाह /परामर्श देने की जिम्मेदारी को उठाएं। यह अत्यंत जरूरी तथा बाइबल संबंधी है कि हमारे पास अति बुद्धिमान और अनुभवी, अगुवाई करने व शिक्षा देने के लिए, अगुवे हो। यह पूर्णतः एक जरूरत है हम सबके लिए कि हम देखें/झांके जो हमारे साथ-साथ चल रहा है, जो हमें उत्साहित कर रहा है, जो हमें संभाले हुए है और उतना ही उत्तरदायी है जितना कि जब हम अगुवेपन के चरित्र में होकर यात्रा कर रहे हैं।

यही कारण है कि हम विश्वास करते हैं कि यह शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सत्र आपकी यह समझने में सहायता करेगा कि एक सिखाने वाले/परामर्शदाता के रूप में आपकी जरूरत क्या है। एक उत्साहित करने वाले, और एक अनुसरण कर आगे बढ़ाने वाले के रूप में यह उनको भी उत्साहित करेगा जिनको आप सीखा/शिक्षा दे रहे हैं कि वो इस सत्र में क्रियाशील होकर सीखने में और सिखाने में अपना कर्त्तव्य निभाएं परमेश्वर के राज्य की बेहतरी के लिए। हम पूरे सत्र में उदाहरण के लिए एक सलीब का प्रयोग करते रहेंगे जो हमें इस महत्वपूर्ण सिद्धांत को सिखाने में सहायता करता है। (देखें छपी सलीब का पृष्ठ)

आरम्भ करें:- अपनी कहानी बताएं कि अगुवापन व सीखाना आपके लिए क्यों महत्वपूर्ण बन गया है।

FULL DAY **10मिनट** यदि आप FULL DAY FULL DAY (पूरा दिन) कर रहे हैं, तो जिनको आप शिक्षा दे रहे हैं उनसे पूछें कि "आप अपनी सेवकाई में अगुवे उत्पन्न करने के लिए क्या कर रहे हैं?" उनसे कहें कि वो सबके साथ बांटे कि वो क्या करते रहे हैं?

भाग 2

पारस्परिक प्रतिक्रिया

HALF DAY FULL DAY
10मिनट

सलीब शिक्षा देने वाला पेड़ का विचार (वो यह है, किसी के साथ संबंध में होने के नाते जो आपसे ऊपर है – और आयु में आपसे बड़ा है, या साथ में है – झाँकना/देखना, और या कोई जो आपसे नीचे है – आपसे आयु में छोटा है जिसमें आप उड़ेल रहे हैं और कौन आपमें उड़ेल रहा है)

उदाहरणः- सलीब सिखाने वाला पेड़ (दिए गए सलीब के पेज/पृष्ठ को देखें)

सलीब के अन्दर तीन क्षेत्र/भाग है वैसे ही अगुवेपन सिखाने के भी तीन भाग/क्षेत्र हैं। पहले भाग/क्षेत्र में सिखाने वाला/परामर्शक/सलाहकार, ये वो हैं, जो उम्र में ज्यादा हैं और जो अधिक बुद्धिमान हैं जो सलीब के ऊपरी भाग का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरे भाग में उत्साहित करने वाला/संगी, जो सलीब की आड़ी बल्ली/लकड़ी का प्रतिनिधित्व करता है। अगुवाई का तीसरा भाग किसी को तैयार करना। सीखना, शिक्षा देना सलीब का निचला भाग इसे प्रदर्शित करता है, शिक्षा देते समय, इस सलीब के उदाहरण को याद रखें, इस पर केन्द्रित होते हुए इसका बार-बार उदाहरण दें। इसका उद्देश्य यह है कि सीखने वाला शिक्षण के दौरान स्वयं खाली जगह भर लेगा। यह उनकी मदद करेगा कि वे अपने जीवन में इस संबंध को दृश्यरूप में पहचान सके।

- प्रत्येक व्यक्ति को एक छोटी सलीब दें, तब सबको सलीब चित्रित पेपर बांट दें।
- सीखने वालों से कहें कि वो अपने पास बैठे पड़ोसी (या समूह से यदि समूह छोटा है) से उस व्यक्ति के संबंध में बातचीत करें/बाँटें जिसने उनके जीवन में निवेश किया है और इस बात को संभव किया है कि आज के दिन वो यहाँ उपस्थित है।
- एक संभव मजेदार गतिविधिः- सीखने वाले कोई नाटक तैयार करें। मिट्टी से कोई तस्वीर या चित्र बनाए जो उनके (Mentor) सलाहकार/सिखाने वाले की हो।

भाग 3

बाइबल की शिक्षा और छोटे समूह

HALF DAY FULL DAY

15-15मिनट यहाँ तीन प्रकार के महत्वपूर्ण संबंध जो बाइबल संबंधी है और मसीह अगुवों के लिए जरूरी भी है चेला बनाने व आगे बढ़ाने के लिए

- परामर्शदाता/सीखने वाला – उदाहरण के लिए पौलूस तीमुथियुस को (1 और 2 तीमुथियुस)
- संगी, साथी/उत्साह देने वाला – उदाहरण बरन बास पौलूस को (प्रेरितों के काम 9;27)
- चेले सीखने वाले – उदाहरण तीमुथियुस और तीतुस पौलूस को (1 और 2 – तीमुथियुस और तीतुस)

A. सिखाने वाले/सलाहकार (सलीब का ऊपरी भाग)

शिक्षा...

1. क्यों? हमें उनसे सीखने की जरूरत है जो हमारे आगे चले हैं। बुद्धिमान मनुष्य उन मनुष्यों की सुनते हैं जो उनसे ज्यादा बुद्धिमान हैं
   A. बाइबल संबंधी उदाहरण सिखाने वाले/सलाहकार
      1. मूसा कालेब को, यहोशू हारून को (गिनती)
      2. एल्लियाह एलिशा को (1 और 2 राजा)
      3. पौलूस तीमुथियुस और तीतुस को
   B. नीति वचन 22:17 "कान लगाकर बुद्धिमानों के वचन सुन, और मेरी ज्ञान की बातों की ओर मन लगा।"
2. मैं कैसे एक सिखाने वाले/सलाहकार को ढूंढ सकता हूँ?
   1. इस संबंध में प्रार्थना करें कि किसको प्रभु ने आपके जीवन मार्ग में रखा है कि वो आपको सीखा सके व सलाह दे सके।
   2. ध्यान से देखें उसको जिसकी आप प्रशंसा करते हो और चाहते हो कि आप उसी के द्वारा सीखाएं जाए।
   3. उस व्यक्ति से, जिसके लिए विश्वास के द्वारा परमेश्वर ने आपकी अगुवाई की है, आपका सलाहकार/सिखाने वाला बनने के लिए कहें।
   4. विश्वास करें कि परमेश्वर आपको एक अगुवा बनाने के लिए खींच रहा है और वो उसी तरीके से आपके सलाहकार/सिखाने वाले जीवन में भी कार्य कर रहा है।

5. किसी ऐसे को ढूंढे जिसमें ऐसी समानताएं हो कि आप उसको पहचान सके ऐसी भिन्नता जो आपको उस से मदद पाने के लिए खींचती हो।

प्रयोगात्मक... 3. प्रयोगात्मक

क्या सब पत्थर पर लिखते हैं किसी के हस्ताक्षर/नाम जिसने अपने जीवन को उनमें उड़ेल दिया हो तब उन पत्थरों को साथ-साथ कमरे में एक कोने में रख देते हैं।

B. संगी, उत्साह देने वाला (यह सलीब की आड़ी बल्ली के द्वारा प्रदर्शित किया जाता है, दिए गए सलीब चित्रित पृष्ठ में देखें!)

शिक्षा... 1. बाइबल संबंधी चित्रण

A. गलतियों 6:2 "तुम एक दूसरे का भार उठाओ, और इस प्रकार मसीह की व्यवस्था को पूरा करो।"

B. रोमियो 15:5-6 "धीरज और शांति का दाता परमेश्वर तुम्हें यह वरदान दें कि मसीह यीशु के अनुसार आपस में एक मन रहो ताकि तुम एक मन और एक स्वर में हमारे प्रभु यीशु मसीह के पिता परमेश्वर की स्तुति करो।"

2. उदाहरणः- बरनबास (नाम का अर्थ, "उत्साह देने वाले का पुत्र" प्रेरितो के काम 4:36)

प्रेरितो के काम 9:26-28 वह पौलूस का पक्ष करता है, "यरूशलेम पहुँचकर उसने चेलों के साथ मिल जाने का प्रयत्न किया, परन्तु सब उससे डरते थे, क्योंकि उनको विश्वास न होता था कि वह भी चेला है, परन्तु बरनबास ने उसे अपने साथ प्रेरितों के पास ले जाकर उनको बताया कि इसने किस रीति से मार्ग में प्रभु को देखा और उसने इससे बातें की, फिर दमिश्क में इसने कैसे हियाव से यीशु के नाम से प्रचार किया, वह उनके साथ यरूशलेम में आता जाता रहा।"

3. कैसे एक उत्साह देने वाले को ढूंढे/पाएं?

A. इस संबंध में प्रार्थना करें कि किसको प्रभु ने आपके मार्ग में किस को रखा है कि आप एक दूसरे को उत्साहित करने वाले हो।

B. किसी ऐसे व्यक्ति को देखें जो विश्वास योग्य हो जिसकी आप तारीफ करते हो जो आपके लिए इस प्रकार के संबंध में प्रमाणिक व वास्तविक हो।

C. किसी को कहें कि वो आपका साथी बने एक दूसरे को उत्साह देने व एक दूसरे की मदद करने के लिए और जो आपके विश्वास में मजबूत रहे और ईश्वरीय स्वभाव के अगुवों के समान बने जैसा परमेश्वर चाहता है कि आप हर क्षेत्र में अगुवा बने।

4. अपने साथी व उत्साह देने वाले के साथ व्यवहार के लिए सलाहः

A. अपने साथी के साथ दृढता से खड़े हो, उसमें संपूर्ण विश्वास रखें किसी भी नकारात्मक निचोड़/नतीजे तक पहुँचने से पहले

B. एक दूसरे के साथ प्रार्थना करें, और एक दूसरे प्रति जवाबदेह/या उत्तरदायी रहें

C. एक दूसरे के साथ समय बिताएं न केवल काम करते हुए बल्कि एक दूसरे का हौसला/उत्साह बढ़ाने के लिए भी जीवन के हर एक (भावात्मक, शारीरिक, अध्यात्मिक, आदि) क्षेत्र में।

प्रयोगात्मक... 5. प्रयोगात्मक (एक गतिविधि/क्रिया को चुनें जो आपके लिए सबसे अधिक सुविधाजनक हो) जिनको आप शिक्षा दे रहे हैं उन्हें चुनौती दें

A. तीन लकड़ियों व डण्डियों को एक साथ रिबन से बांधे, साझेदारी को प्रकट करने के लिए। अब इनको उसके पास ले जाएं जो आपके लिए एक उत्साह देने वाला/साथी हो उसका आभार प्रकट करें, उस निवेश के लिए जो उसने आप में किया है।

B. प्रत्येक व्यक्ति एक छोटा सा उपहरा चुनकर उस व्यक्ति को दे सकता है जिनके द्वारा वह उत्साहित हुआ है, और अपना आभार व्यक्त करना चाहता है उसमें किए गए निवेश के लिए।

C. दूसरों को सलाह/परामर्श देना (यह सलीब के निचले भाग सीधी खड़ी बल्ली द्वारा प्रदर्शित किया जाता है)

1. बाइबल संबंधी चित्रणः- 2 तीमुथियुस 2:2 "और जो बातें तूने बहुत से गवाहों के सामने मुझसे सुनी है उन्हें विश्वासी मनुष्यों को सौंप दें जो दूसरों को भी सिखाने के योग्य हो"।

2. हमें विश्वास और अगुवेपन की छड़ी को दूसरों को देने की जरूरत है ताकि मसीह का संदेश लगातार पीढ़ी दर पीढ़ी फैलता जाए। बाइबल में उदाहरण हैं कुछ बुजुर्ग परामर्शदाताओं के जो जवान अगुवों में निवेश कर रहे हैं।

- मूसा और यहोशू
- एल्लियाह और एलिशा
- पौलूस और तीमुथियुस और तीतुस
- यीशु और उसके चेले

3. हमें क्यों हमसे छोटों को परामर्श/सलाह देना चाहिए?

A. उदाहरणः- परामर्श/सलाह देना गलील के सागर के समान है यह कई सहायक नदियों से पानी लेता है और बाँट देता है : परिणाम यह है कि, सागर जीवन से

परिपूर्ण है और जीवन का उत्पादन करता है, मृत सागर उनके समान हैं जो यह चुन लेते हैं कि किसी को परामर्श/सलाह नहीं देंगे। यह पानी तो ग्रहण करते हैं परन्तु किसी को बांटते नहीं, जिसका परिणाम यह है कि पानी साफ नहीं होता और जीवन को रोक देता है। यह निर्जीव सा पड़ा रहता है, एक सुस्त पानी के तलाब के समान।

B. दूसरों को सीख/परामर्श/सलाह देना इस बात का आश्वासन है कि जो कुछ हमने सीखा है वो अगली पीढ़ी में भी जारी रहेगा। जब मूसा ने यहोशू को सीखाया। परामर्श दिया, तब राष्ट्र आगे बढ़ने के योग्य हो गया, लेकिन जैसे ही यहोशू ने किसी और को सिखाना/परामर्श देना नज़र अंदाज किया, तब यहोशू की मृत्यु पश्चात सारा राष्ट्र गिर पड़ा व विभाजित हो गया। ऐसा कहा गया है कि हम मसीहत के अस्तित्व में एक पीढ़ी दूर है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम जवान अगुवों को मदद करें यह समझने में और विश्वास को आगे सौंपने में मदद करें।

शिक्षा... 4. मैं कैसे परामर्श व सलाह देता हूँ?

आईए बाइबल संबंधी नियम देखते हैं कि कैसे एक सीखने वाले की अगुवाई की जाए व सलाह दी जाए।

A. 2 तीमुथियुस 1:1-3 (प्रेम करने वाला व प्रार्थना करने वाला)

1. यह पद हमें पुनः स्मरण करते हैं उस प्रेम के बारे में जिसकी हमें जरूरत है उनके लिए जिनको हम सीखा रहे हैं/परामर्श दे रहे हैं।

2. ये पद हमें यह भी स्मरण दिलाते हैं कि जिनको हम शिक्षा दे रहे हैं उनके लिए हमें प्रार्थना की भी जरूरत है।

B. 2 तीमुथियुस 1:6-7 (दूसरे में विश्वास रखते हुए)

यह पद एक आदर्श रूप में है कि कैसे पौलूस ने तीमुथियुस में विश्वास किया और उन वरदानों व योग्यताओं में भी जो तीमुथियुस ने परमेश्वर से ग्रहण किए थे। हमें लगातार उत्साह देने वाला व परमेश्वर के वरदानों को प्रत्येक के जीवन में स्मरण कराने वाला होना है।

C. 2 तीमुथियुस 1:13, 2:2 (शिक्षा)

दूसरों को सिखाने/परामर्श देने का मुख्य उद्देश्य यीशु के द्वारा दी गई शिक्षाएं को आगे सौंपने का है उनको जिनको हम सिखा/परामर्श दे रहे हैं। हमें उनको कुछ इस प्रकार से शिक्षा देने की आवश्यकता है कि जब हम चले जाएं तब वो दूसरों को सिखाने के योग्य हो।

D. तीमुथियुस 2:2 (पवित्रात्मा से भरना)

यह पद हमें सुझाव देता है कि हम से यह उम्मीद/आशा की जाती है कि हम सीखने वाले बनाए जो सीखे व औरों को भी सिखा सकें।

5. दूसरे प्रयोगात्मक तरीके सिखाने/परामर्शदाता होने के लिए।

1. जीवन भर लोगों के साथ चले, कभी अकेले चलने वाले न हो, परन्तु दूसरों के संग होने वाले और उनके साथ उनके लिए जीवन जीने वाले हो।

2. जीवन के संबंध में प्रश्न पूछे व दूसरों के जीवन संबंधी प्रश्नों को निमंत्रण दें, प्रश्न निर्णयों के संबंध में, गलतियों के संबंध में और सफलता के संबंध में हो।

3. संबंध को विकसित करें और उसको पर्याप्त मजबूत बनाएं कि वो उस सत्य का भार संभाल सके जिस सत्य को आपको देना/सौंपना है। "बिना संबंध बनाए राज्य करना विद्रोह की ओर ले जाता है, परन्तु संबंधों सहित राज्य करना उन्नति की ओर ले जाता है।" (श्री मेक डावेलस का कथन जो उनकी पुस्तक डिसकनेक्टीड जनरेशन (अगल की गई पीढ़ी) से लिया गया है)

प्रयोगात्मक... 6. प्रयोगात्मक (आवश्यक सामग्री पानी और बड़े बर्तन)

A. एक बड़े बर्तन से दूसरे बड़े बर्तन में पानी उड़ेलते हैं, भरे हुए पानी का बर्तन हमारे समर्पण को दर्शाता है हमारे जीवन को दूसरे के जीवन में उड़ेलने के लिए।

15मिनट

B. यदि आपके पास समय है तो आप तीन चार के समूह में बंट जाए और 10 से 15 मिनट का समय लें, व उन संघर्ष की कहानियों को आपस में बांटे जिनका संबंध उससे जो अभी-अभी आपने सुना है और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करें।

भाग 4

शिक्षा के यन्त्र और साधन

HALF DAY FULL DAY
10मिनट

दिए गए पृष्ठ को देखें: अगुवापन, पढ़ाने वाला, परामर्शदाता/सलाहकार – यन्त्र

कुछ समय लें, सीखने वालों को दिए गए पृष्ठ में एक नज़र डालने के लिए।

- पूछने के लिए प्रश्न जब आप परामर्श/सीखा रहे हो।
- परामर्श देने/सिखाने के लिए प्रभावकारी योजनाएं (जिसमें सम्मिलित है, प्रार्थना, बाइबल, उत्साह युक्त, चुनौती)
- वेबसाइट, पुस्तकें, दिए गए पृष्ठ पर साधन

भाग 5

परावर्तन/चिंतन का समय

HALF DAY FULL DAY
10मिनट

प्रशिक्षण पर संक्षिप्त नज़र

दो या तीन बातें बताए जिन्हें स्मरण रखना है।

यदि आपके पास समय है तो विद्यार्थियों से प्रश्न पूछने को कहें यदि उनके पास कोई प्रश्न है तो।

प्रार्थना से समाप्त करें।

विद्यार्थियों के लिए पृष्ठ – पूरे विश्व में प्रशिक्षण

अगुवापनः- शिक्षा देने और सिखाने/सलाह देने, के यन्त्र

कुछ प्रयोगात्मक शिक्षा दूसरों को सिखाने/सलाह के लिएः-

- जिनको आप सीखा रहे हैं उनसे एक सौदा करें, कि वो वादा करें कि जैसे वो सीख रहे हैं वैसे ही किसी और को भी सिखाएंगे।
- जिनको आप सीखा/सलाह देते हैं उनके लिए प्रार्थना करें।
- जीवन भर उनके संग चलें।
- उनके साथ संबंध विकसित करें तब उनके जीवन में उड़ेलें।
- जिन्होंने सुना व विश्वास किया है उन्हें जीत लें।
- ऐसे अनुभव जो मजेदार, जुड़े हुए हो, और जीवन को बदलने वाले हो दें।
- उनसे अपने जीवन और यीशु मसीह के शुभ संदेश के विषय में बाँटे।
- एक असली जीवन शैली, जिसमें ईश्वर के लिए व औरों के लिए प्रेम हो, का आदर्श बनें।
- एक सकारात्मक संबंध बनाएं हर बार जब आप एकत्रित होते हैं।
- उनको प्रेम करें, इस बात को नज़रअंदाज कर, कि आपके प्रति, व सुसमाचार के प्रति उनकी प्रतिक्रिया क्या है?
- उनको बढ़ने/परिपक्व बनने के लिए उत्साहित करें।
- उनकी मदद करें उनके आत्मिक वरदान खोजने के लिए जिनको परमेश्वर ने स्वयं बनाया है।
- उनको उत्साहित करें कि वो विश्वासियो की देह के रूप में साथ जुड़े रहे।
- अच्छे निर्णय लेने के लिए उन्हें चुनौती दें।
- उनको संभाले रहें कि वो बाइबल पढ़ने व प्रार्थना करने में जिम्मेदार/उत्तरदायी हो।
- उनसे गहरे/सख्त प्रश्न पूछें।

अच्छे सलाहकार/सिखाने वाले बड़े-बड़े प्रश्न पूछते हैं, यहाँ कुछ अच्छे प्रश्न इस संबंध में दिए गए हैं आपके विद्यार्थियों से पूछने के लिएः

- आप अपने परमेश्वर व दूसरों के लिए हृदय से कैसा कार्य कर रहे हैं?
- क्या आप परमेश्वर से जुड़े रहे हैं?
- आप क्या विश्वास करते हैं कि परमेश्वर की इच्छा आपकी परिस्थिति व जीवन के लिए क्या है?

- वो महत्वपूर्ण व प्रभावित करने वाली क्या बात थी जो आपके साथ पिछले हफ्ते घटी जिसने आपके विश्वास को बढ़ाने में मदद की।
- क्या आप परमेश्वर की सेवा करते हुए मौज/मजे लेते हैं?
- आपके जीवन में आपकी क्या लालसा है?
- क्या आप अपने विश्वास को अपने मित्रों के साथ बांटने के योग्य हैं?
- क्या आप सोचते हैं कि यह निर्णय लेना सकारात्मक परिणाम लाएगा?
- आप कैसे परमेश्वर के साथ अपने संबंध में बढ़ रहे हैं?
- आपके जीवन में इस समय आपको क्या निराश कर रहा है?
- क्या आप अपने भविष्य के बारे में रोमांचित है?
- वो क्या उद्देश्य है जिसकी ओर आप निशाना साध रहे हैं?